बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-592
16/11/2023

मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री उद्यमी योजना' के तहत एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं प्रथम किश्त वितरण समारोह का किया उद्घाटन

पटना, 16 नवम्बर 2023 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बापू सभागार में 'मुख्यमंत्री उद्यमी योजना' के तहत आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं प्रथम किश्त वितरण समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज के इस कार्यक्रम में मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं। बहुत खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत बहुत लोगों को काम मिल रहा है। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना शुरू किया गया था। इस योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जाते हैं इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। दो वर्ष में 4 हजार 674 युवक–युवतियों ने इसका लाभ लिया। वर्ष 2020 में जननायक कर्पूरी ठाकुर के जन्मदिन पर घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना का लाभ दिया जाए। वर्ष 2021 में सात निश्चय पार्ट–2 में हमने तय किया कि इन दो कम्युनिटी के अलावे जितनी महिलाएं हैं चाहे वे किसी जाति से जुड़ी हों सारी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें। मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपए दिए जा रहे हैं इसमें से 5 लाख रूपये अनुदान और 5 लाख रूपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। सभी वर्ग की महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत भी 10 लाख रुपए दिए जाते हैं इसमें से 5 लाख रूपये का अनुदान तथा 5 लाख रूपये पर मात्र 1 प्रतिशत ब्याज लिया जाता है। वर्ष 2012–13 में अल्पसंख्यक वर्ग को सुविधा देने के लिए काम शुरु किया गया था। अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना की जो शुरुआत करायी गई थी इसका लोग लाभ ले रहे थे। जब हमने अति पिछड़ा के लिए शुरु किया तो इसका लाभ अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को मिलने लगा। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपए दिए जा रहे हैं इसमें से 5 लाख रूपये अनुदान और 5 लाख रूपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। इस वर्ष मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत 8 हजार लाभुकों को लाभ मिला तथा मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के 1 हजार 247 लाभुकों का चयन कर लिया गया, जो कुल मिलाकर 9,247 हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि सब काम करें और आगे बढ़ें। राज्य सरकार जो करती है उसको प्रचार की जरुरत नहीं है, सभी लोग जानते हैं। सभी विभाग को हमने इसके लिए अलर्ट किया है कि लाभुकों को समुचित लाभ मिले। हमलोग समाज के किसी वर्ग की उपेक्षा नहीं करते हैं, सभी जाति–धर्म के लोगों के लिए काम करते हैं। हमने हमेशा कहा है कि जो भी काम किया जा रहा है उसको सबको बताने की जरूरत है। हम जहां जाते हैं घूमते हैं तो सारी पुरानी बातों को बताते हैं। इस बार हमने जाति आधारित गणना करायी जिसमें आर्थिक स्तर की भी गणना हुयी। जो भी पिछड़े हैं सबके उत्थान के लिए काम करेंगे। लोगों के विकास और विस्तार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। बिहार विधान सभा और बिहार विधान परिषद् से पास कराकर राज्यपाल महोदय को भेजा गया है। जैसे ही उनका दस्तख्त हो जाएगा कानून लागू हो

जाएगा। इससे सभी वर्गों को इसका लाभ मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए तो 2 साल में ही बिहार का विकास हो जाएगा। बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है, इसी बिहार से सारी शुरुआत हुई और आज यही पीछे है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए हम अभियान चलाएंगे। हम तो लोगों के हित में काम करते हैं, हर वर्ग के उत्थान के लिए काम करते हैं। हम काम करनेवाले लोग हैं काम करते ही रहेंगे। केंद्र में कोई योजना बनती है तो प्रचार करते हैं और उनकी हिस्सेदारी 60 प्रतिशत होती है और राज्य सरकार को 40 प्रतिशत हिस्सा देना पड़ता है, जिससे राज्यों को कोई फायदा नहीं मिलता है। ऋण लेकर पूरे राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दो, यही कंपेन चलेगा, अगर बिहार को विशेष दर्जा नहीं दोगे तो इसका मतलब है कि आप बिहार का विकास करना नहीं चाहते हैं। हमने अधिकारियों से कहा है कि गांव–गांव में जाकर राज्य सरकार द्वारा जो काम किया जा रहा है उसको प्रचारित करें, जो असुविधाएं हैं, जो मांग है उसको नोट किया जाए, उनकी समस्या को दूर किया जाएगा। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना की अवधारणा हमने बनाई और इसपर काफी विचार–विमर्श किया। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अब धरातल पर है और लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हम उद्योग विभाग से आग्रह करेंगे कि इस योजना पर तेजी से काम करें और अधिक–से–अधिक लोगों को इसका लाभ दिलाएं। इसके बारे में प्रचार–प्रसार कराएं जिससे इस योजना से सभी लोग अवगत हो सकें। अगर इसमें और मदद की जरुरत होगी तो हमलोगों की ओर से मदद दी जाएगी। लाभार्थी खूब मन लगाकर काम करेंगे तो अपने परिवार का भला करेंगे जिससे उनके परिवार की तरक्की होगी, सभी लोगों का विकास होगा और बिहार का विकास होगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 12 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त का सांकेतिक चेक प्रदान किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संदीप पौंड्रिक ने जूट से हस्तनिर्मित पुष्पगुच्छ एवं रेशम से निर्मित स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री उद्यमी योजना पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना से लाभान्वित श्रीमती स्वाति सुधा एवं श्रीमती मिताली ममता ने उद्यमिता के क्षेत्र में अपने कार्यों के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की यह योजना काफी दूरदर्शी है इससे हम सभी लोगों का काफी भला हो रहा है। हम तो अपना रोजगार कर रही रहे हैं और लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। मुख्यमंत्री की इस योजना से समाज के सभी वर्गों को काफी फायदा हो रहा है।

कार्यक्रम के दौरान 'मुख्यमंत्री उद्यमी योजना पुस्तिका' का विमोचन मुख्यमंत्री ने किया।

कार्यक्रम को वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उद्योग मंत्री श्री समीर कुमार महासेठ, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती अनीता देवी, अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री श्री रत्नेश सादा, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संदीप पौंड्रिक ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, उद्योग विभाग के निदेशक श्री पंकज दीक्षित, हस्तकरघा एवं रेशम के निदेशक श्री विवेक रंजन मैत्रेय, उद्योग विभाग के विशेष सचिव श्री दिलीप कुमार सहित उद्योग विभाग के वरीय अधिकारीगण एवं योजना के लाभार्थीगण उपस्थित थे।

******